ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:20.09.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-09-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	21/09/2024	22/09/2024	23/09/2024	24/09/2024	25/09/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	5.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	33.0	33.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	22.0	21.0	21.0	22.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	75	75	80	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	35	30	35
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	2	2	4	3	2
पवन दिशा (डिग्री)	90	300	300	300	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	3	1	2

समसारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (13 से 19 सितंबर) क्षेत्र में 198.6 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.0 से 33.5oC और 22.9 से 25.4oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 84-96% और 58-95% के बीच रही, जबकि हवा उत्तर, उत्तर-पूर्व और उत्तर-उत्तर-पूर्व से 1.6-16.5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन साफ रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 20-24 सितंबर के बीच 0-5 मिमी की बहुत हल्की वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.0-34.0oC और 21.0-22.0oC रहने की उम्मीद है। हवा 2-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व, उत्तर-पश्चिम-उत्तर और दक्षिण-पूर्व से चलने की उम्मीद है। 25 और 26 सितंबर को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से लेकर बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.30-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 20.09.2024 से 26.09.2024 के दौरान वर्षा में बड़ी कमी, तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, बहुत हल्की वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और छिड़काव कार्य भी तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	कल्ले फूटना	बैक्टीरियल ब्लाइट के लक्षण जैसे पत्तियों पर पानी से लथपथ धब्बे और उनके धीरे-धीरे बढ़ने पर लंबी धारियां बन जाती हैं जो धीरे-धीरे हल्के भूरे रंग की हो जाती हैं। अधिक रोग होने पर स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 15 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पे करना चाहिए। तना छेदक कीट यदि ईटीएल के ऊपर उपस्थिति है तो उस पर क्लोरान्ट्रानिलीप्रोले 20 एस.सी 150 मि.ली. या फ्लूबेंडिबें यामाइड 480 एससी 75 मि.ली. या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी प्रति हेक्टर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्राइफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	सबसे प्रचलित लाल सड़न रोग के लक्षण मानसून के मौसम के बाद प्रकट हो सकते हैं जो कटाई तक बने रहते हैं। इसके लिए किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना होगा और अपने खेतों को साफ रखना होगा। संक्रमित गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए । संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। आवश्यकतानुसार दो पंक्तियों के तीन डंठलों को एक साथ बांधना चाहिए (कैंची बांधनी चाहिए)। सफेद ग्रब का प्रकोप होने पर फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। शरदकालीन गन्ने की बुवाई कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल से 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज के साथ करनी चाहिए। शरदकालीन बुवाई के लिए गन्ने के डंठल का निचला 2/3 भाग प्रयोग किया जाता है।
मक्का	वानस्पतिक	जैसे ही भुट्टों में बीज भरने लगें, आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। कीट का प्रकोप होने पर उचित कृषि उपाय करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रा निलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मैंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई परिपक्व होने पर करनी चाहिए।
मूंग/उर्द	वानस्पतिक	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
सोयाबीन	फली विकास	फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार नमी बनाए रखी जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

मूंगफली	पेगिंग	टिक्का रोग में पत्तियों पर हल्के भूरे रंग के गोल धब्बे बनते हैं, जिनके चारों ओर निचली सतह पर पीले रंग के घेरे होते हैं। इसके उपचार के लिए क्लोरोथेनोनिल 2 किग्रा/हेक्टेयर या 80% मेन्कोजेब 2 किग्रा/हेक्टेयर या प्रोपिकोनाजोल 25 ई.सी. 500 मिली. को 800 से 1000 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोलकर 10-12 दिन के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। पेगिंग या फली बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करके मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	रोपाई	रोपाई के चार से छः सप्ताह बाद हल्की गुड़ाई कर जड़ों पर मीट्टी चढ़ाना चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हैक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
मूली	बुवाई	मूली की फसल में शुष्क मौसम होने पर हल्की सिंचाई बुआई के तुरन्त बाद करनी चाहिए तथा दूसरी सिंचाई 3-4 पत्तियाँ आने पर करनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
गाजर	बुआई/अंकुरण	अंकुरण के बाद नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 6-10 सेमी रखनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
चुकंदर	बुआई/अंकुरण	बुवाई के पर्याप्त नमी रहने पर प्रथम सिंचाई विरलीकरण के बाद करें। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
पालक	बुआई/अंकुरण	पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्राप के रूप में सेवन कराएं।
भैंस	फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।